aglasem.com

कक्षा ११ इतिहास नोट्स

तीन वर्ग



Key Notes and Important Questions with Answers

विषय - 6
तीन वर्ग

स्मरणीय तथ्य

1. यूरोपीय इतिहास की जानकारी के स्त्रोत – भू–स्वामियों के विवरण, मूल्यों और विधि के मुकदमों के दस्तावेज जैसे कि चर्च में मिलने वाले जन्म, मृत्यु और विवाह के आलेख। चर्च से प्राप्त अभिलेखों ने व्यापारिक संस्थाओं और गीत व कहानियों द्वारा त्योहारों व सामुदायिक गतिविधियों का बोध कराया।
2. सामन्तवाद एक तरह के कृषि उत्पादन को दर्शाता है जो सामंतों और कृषकों के संबंधों पर आधारित है। कृषक लार्ड को श्रम सेवा प्रदान करते थे और बदले में वे उन्हें सैनिक सुरक्षा देते थे।
3. सामन्तवाद शब्द जर्मन शब्द फ्यूड से बना है। फ्यूड का अर्थ है – भूमि का टुकड़ा।
4. सामन्तवाद पर सर्वप्रथम काम करने वाले फ्रांसीसी विद्वान मार्क ब्लॉक के द्वारा भूगोल के महत्व पर आधारित मानव इतिहास को गढ़ने पर जोर, जिससे कि लोगों के व्यवहार और रूख को समझा जा सके।
5. फ्रांसीसी समाज मुख्य रूप से तीन वर्गों में विभाजित – पादरी, अभिजात एवं कृषक वर्ग।
6. पादरियों व बिशपों द्वारा ईसाई समाज का मार्गदर्शन – चर्च में धर्मोपदेश, अत्यधिक धार्मिक व्यक्ति जो चर्च के बाहर धार्मिक समुदायों में रहते थे भिक्षु कहलाते थे। भिक्षुओं की विशेषताएँ – मठों में रहना, निश्चित नियमों का पालन करना तथा आम आबादी से बहुत दूर रहना।
7. अभिजात वर्ग की विशेषताएँ – अपनी संपदा पर स्थायी नियंत्रण, अपनी सैन्य क्षमता, स्वयं न्यायालय लगाने का अधिकार तथा अपनी मुद्रा का प्रचलन कर सकना।
8. कुशल अश्वसेना की आवश्यकता के कारण नाइट वर्ग का उदय। लार्ड द्वारा नाइट को दिया जाने वाला भूमि का टुकड़ा – फ़ीफ़ कहलाया।
9. कृषक वर्ग : काश्तकार दो प्रकार के होते थे – स्वतंत्र किसान और सर्फ अर्थात् कृषिदास। स्वतंत्र किसान अपनी भूमि को लार्ड के काश्तकार के रूप देखते थे तथा कृषिदास जिन भूखण्डों पर काम करते थे वे लार्ड के स्वामित्व में थे।

10. राजा कृषकों पर कभी–कभी एक प्रत्यक्ष कर 'टैली' लगाते थे। पादरी व अभिजात वर्ग इस कर से मुक्त थे।
11. लार्ड की जागीरों पर कृषकों के परिवारों को सप्ताह के तीन या उससे अधिक कुछ दिन काम करना पड़ता था। इस श्रम से होने वाला उत्पादन 'श्रम अधिशेष' कहा जाता था।
12. कृषि विस्तार के कारण जनसंख्या, व्यापार और नगरों का विस्तार हुआ और एक चौथा वर्ग नगरवासी का उद्‌भव हुआ।
13. नगरों की स्वतंत्र हवा, वैतनिक कार्य और लार्ड के नियन्त्रण से मुक्ति के कारण सामंती सम्बंध कमजोर पड़ने लगे।
14. ग्यारहवीं शताब्दी तक यूरोप में विभिन्न प्रौद्योगिकी में बदलाव – लोहे के फालों का प्रयोग, पशुओं को हलों में जोतने के तरीकों में सुधार, पशुओं के खुरों में लोहे के नालों का प्रयोग, दो खेतों वाली फसली व्यवस्था से तीन खेतों वाली व्यवस्था की शुरूआत तथा वायु व जलशक्ति के उपयोग ने कृषि क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन लाया।
15. चौदहवीं शताब्दी का संकट – चौदहवीं शताब्दी के आरंभ में यूरोप को आर्थिक विस्तार धीमा पड़ने के कारण (1) मौसम में परिवर्तन पैदावार वाले मौसम छोटे हो गये (2) गहन जुताई ने भूमि को कमजोर बना दिया (3) जनसंख्या वृद्धि से उपलब्ध संसाधन कम पड़ना (4) आस्ट्रिया व सर्बिया में चांदी की खानों के उत्पादन में कमी के कारण धातु मुद्रा में भारी गिरावट परिणामस्वरूप व्यापार प्रभावित (5) महामारियाँ।
16. राजनीतिक परिवर्तन – नए शक्तिशाली राज्यों का उदय – संगठित स्थायी सेना, एक स्थायी नौकरशाही और राष्ट्रीय कर प्रणाली स्थापित करने की प्रक्रिया आरंभ।
17. नई शासन व्यवस्था पुरानी व्यवस्था से भिन्न :– शासक अब पिरामिड के शिखर पर नहीं था जहाँ राज भक्ति विश्वास और आपसी निर्भरता पर टिकी थी। वह अब व्यापक दरबारी समाज और आश्रयदाता – अनुयायी तंत्र का केन्द्र बिन्दु था।

अति लघु प्रश्न (2 अंक वाले)

1. सामन्तवाद से क्या अभिप्राय है? सामन्तवाद की उत्पत्ति यूरोप में कब हुई?
2. फ्रांसीसी समाज में मुख्य रूप से तीन वर्ग कौन से थे?

3. चर्च के औपचारिक रीति–रिवाज की कुछ महत्वपूर्ण रस्में, सामंती कुलीनों की नकल थीं। इसके दो उदाहरण दीजिए।
4. 'टैली' तथा 'फीफ' शब्दों को परिभाषित कीजिए।
5. फ्रांस के कैथीड्रल नगरों से क्या अभिप्राय है?
6. फ्रायर किन्हें कहा जाता था?
7. श्रम अधिशेष किसे कहते थे?
8. 'श्रेणी' (Guild) शब्द का क्या अभिप्राय था?
9. दो सबसे अधिक प्रसिद्ध मठ कौन से थ? वे कहाँ बनाये गये।
10. 'टीथ' शब्द का क्या अभिप्राय है?

लघु प्रश्न (4 अंक वाले)

11. सेन्योर / लार्ड शब्द का क्या अर्थ है? तथा फ्रांसीसी समाज में अभिजात वर्ग की एक विशेष हैसियत थी, उल्लेख कीजिए।
12. मध्यकालीन यूरोप के मठों मे ईसाई भिक्षु कैसा जीवन बिताते थे?
13. नाइट वर्ग का उदय क्यों हुआ? लार्ड तथा नाइट के आपसी संबंधों की संक्षिप्त जानकारी दीजिए।
14. सामंतवाद के अन्तर्गत यूरोप में किसानों की क्या स्थिति थी?
15. आरंभिक यूरोप में कृषि संबंधी समस्याएँ क्या थी? इन समस्याओं का यूरोप पर क्या प्रभाव पड़ा?
16. मेनर प्रणाली क्या थी?
17. फ्रांस के सर्फ और रोम के दास के जीवन की दशा की तुलना कीजिए।
18. यूरोप में विद्यमान सामाजिक असंतोष के क्या कारण थे?
19. मध्यकालीन यूरोप के अंतिम वर्षों में किस नए सामाजिक वर्ग का विकास हुआ? इस वर्ग के विकास के कारण लिखिए।
20. फ्राँस में कथीड्रल नगर किस प्रकार अस्तित्व में आये?

दीर्घ प्रश्न (8 अंक वाले)

21. चौदहवीं सदी की शुरूआत तक यूरोप का आर्थिक विस्तार धीमा पड़ गया। ऐसा किन कारणों से हुआ, स्पष्ट कीजिए।

22. 'शासक अब पिरामिड के शिखर पर नहीं था जहाँ राजभक्ति विश्वास और आपसी निर्भरता पर टिकी थी अपितु वह अब दरबारी समाज और आश्रयदाता अनुयायी तंत्त का केन्द्र बिन्दु था' यूरोप की नई शासन व्यवस्था के संदर्भ में इस कथन की व्याख्या कीजिए।

23. ग्यारहवीं शताब्दी में यूरोप में होने वाले विभिन्न प्रौद्योगिकी बदलावों की विवेचना कीजिए।

दीर्घ प्रश्नोत्तर (8 अंक वाले)

21.
- आर्थिक विस्तार धीमा पड़ने के कारण – तेरहवीं सदी के अंत तक उत्तरी यूरोप में तेज ग्रीष्म ऋतु का स्थान ठंडी ग्रीष्म ऋतु ने ले लिया।
- पैदावार के मौसम छोटे, तूफानों व सागरीय बाढ़ों से फार्म प्रतिष्ठान नष्ट।
- सरकार को करों से आमदनी में कमी।
- पहले की गहन जुताई के तीन क्षेत्रीय फसल चक्र से भूमि कमजोर।
- चरागाहों की कमी से पशुओं की संख्या में कमी।
- जनसंख्या वृद्धि के कारण उपलब्ध संसाधन कम पड़ना।
- 1315–1317 में यूरोप में भयंकर अकाल, 1320 ई. में अनेक पशुओं की मौत।
- आस्ट्रिया व सर्बिया की चाँदी की खानों के उत्पादन में कमी।
- धातु–मुद्रा में कमी से व्यापार प्रभावित।
- जल पोतों के साथ चूहे आए जो ब्यूबोनिक प्लेग जैसी महामारी का संक्रमण लाए।
- लाखों लोग ग्रसित।
- विनाशलीला के साथ आर्थिक मंदी से सामाजिक विस्थापन हुआ।
- मजदूरों की संख्या में कमी आई इससे मजदूरी की दर में 250 प्रतिशत तक की वृद्धि।

22.
- 12वीं व 13वीं शताब्दी में हुए सामाजिक परिवर्तन नए राजतंत्रों की सफलता का कारण।
- जागीरदारी और सामंतशाही के विलय और धीमे आर्थिक विकास से शासक प्रभावशाली।

- 15वीं 16वीं शताब्दी में शासकों का सैनिक व वित्तीय दृष्टि से शक्तिशाली होना।
- शासकों द्वारा विशाल तोपों व बंदूकों से सुसज्जित सेना का गठन।
- अभिजातों द्वारा राजसत्ता के केन्द्रीयकरण का विरोध नए शासकों की गोली की शक्ति प्रदर्शन के समक्ष टुकड़े–टुकड़े।
- अभिजात वर्ग ने अपने अस्तित्व को बचाने के लिए स्वयं को राजभक्तों में बदला।
- लार्ड जो पहले शासक थे अब प्रशासनिक सेवाओं में महत्वपूर्ण स्थानों पर।
- शासकों को शक्तिशाली लोगों का समर्थन चाहिए था, धन समर्थन का माध्यम।
- धनी गैर अभिजात (व्यापारी व साहुकार) का दरबार में प्रवेश, राजा को धन उधार।

23. • लकड़ी के हल के स्थान पर लोहे के भारी नोक वाले हल और साँचेदार पटरे का प्रयोग।
- पशुओं के गले के स्थान पर जुआ अब कंधे पर।
- घोड़े के खुरों पर अब लोहे की नाल का प्रयोग।
- कृषि के लिये वायु और जलशक्ति का प्रयोग।
- संपीडको व चक्कियों में भी वायु तथा जलशक्ति का प्रयोग।
- दो खेतों की व्यवस्था के स्थान पर तीन खेतों वाली व्यवस्था का उपयोग।
- कृषि उत्पादन में तेजी से बढ़ोतरी। भोजन की उपलब्धता दुगुनी।
- कृषकों को बेहतर अवसर।
- जोतों का आकार छोटा। इससे अधिक कुशलता के साथ कृषि कार्य होना व कम श्रम की आवश्यकता।
- कृषकों को अन्य गतिविधियों के लिए समय।